भ्रामक समाचार, हल्ला आ अफवाहसभसँ जेना जनजिवन अस्त व्यस्त बनेने छलै, अखन कोरोना भाईरसके महामारीके अवस्था सेहो तेहने छैक । हमसभ् मिलक एकर निराकरणमे महत्वपूर्ण भूमिका निर्वाह क सकैत छी । एहिके लेल अपनासभके विश्वसनिय आ श्रोत खुलल सहि सूचना निर्णायक तहतक प्रवाह क सकैत छी ।

Coronavirus CivActs Campaign (CCC) सँ सरकार, सञ्चार माध्यम, संघसंस्था आ आम नागरिक बिचक सूचनाके दुरी कम कएक देशभैरसं संकलन कएलगेल हल्ला, नागरिकक जिज्ञासा आ प्रश्नसभ संकलन कए तथ्य पत्ता लगाएक आम नागरिकके सूचित करैत अछि । एहिसं आम नागरिकक आवश्यकताके पहिचान करवाक साथे हल्लासभहक कोनो नकारात्मक असर पहुचावस पहिलेहि सान्दर्भिक तथ्य आम नागरिक सभमे प्रवाह कए जोखिम न्युनिकरण करैत अछि ।

लकडाउनको समयमा स्वयंसेवकले खाना वितरण गरिरहँदा मानिसहरु सामाजिक दुरी कायम गरेर पालो कुर्दै
तस्बिर: रवेटर्स

स्थानीय तहसँ वितरण होबएवला राहतके समग्र व्यवस्थापन

सामान्यतया वितरण होबएवला राहतके व्यवस्थापन:

१. स्थानीय तहमे स्थापना भेल कोरोना संक्रमण, रोकथाम, नियन्त्रण तथा उपचार कोषके रकम
२. प्रदेशमे स्थापना होबएवला कोरोना संक्रमण, रोकथाम, नियन्त्रण तथा उपचार कोषके रकम
३. उपरका दुनु रकम अपुग भेलापर नेपाल सरकारके केन्द्रीय कोरोना संक्रमण, रोकथाम, नियन्त्रण तथा उपचार कोषसँ माँगाके आधारम

बैन मजदूरीमे आधारित राहतके व्यवस्थापन:

१. प्रधानमन्त्री रोजगार कार्यक्रम
२. प्रधानमन्त्री कृषि आधुनिकीकरण परियोजना
३. स्थानीय तहके विकास कार्यक्रमसभ
४. कोरोना संक्रमण, रोकथाम, नियन्त्रण तथा उपचार कोषमे रहल रकम

हल्ला र तथ्य

सरकार लकडाउनके समय थपने के थपने अछि । दैनिक बैन मजदूरी कलक खायवलाके पहिले देल राहतसँ त नै पुगतै, कि सरकार राहतके सामाज फेर थपतै ?

लकडाउनके अवधी बढ्ैत गेलासँ राहत कार्यक्रमके सरकार पुनरावलोकन कएरहल अछि । एहिके लेल अखन स्थानीय तहमे रोजगार बिहिन सूचिकृत भेल कामदारके स्थानीय तह, प्रदेश आ संघिय कार्यालय ओत होबवला काममे लगेतै । एना काम करौलापर ओकरा दैनिक मजदूरी नगद या खाद्यान्नके रुपमे उपलब्ध कराएत । काममे नहि आबवला या नैआब चाहवला आदमीके राहत माँग एतै त, काममे आबएवला आदमीके देल जाएबला पारिश्रमिकके २५% सँ होबएवला रकम बराबरके खाद्यान्न मात्रे भेटतै ।

एकदिस बैशाख २ गतेतके लेल सब हवाई सेवा बन्द करब सेहो कहने अछि, दोसर दिस इपिएस (EPS) मार्फत कोरिया जायवला कामदारके अनुमती देबके निर्णय सेहो केने अछि । कनि प्रष्ट नहि भेलै ।

इपिएस ९७एक० प्रणाली अन्तरगत दक्षिण कोरिया काम करएके अनुमति प्राप्त वैध प्रवेशाज्ञा भेल आ अखन छुिमे आएल आ अखन छुिमे नेपालमे रहल आदमीसभ स्वेच्छासँ अप्पन काममे फिर्ता जाए चहलापर ओकर स्वास्थ्य परिक्षण करालक ओकरे खर्चमे चार्टर्ड उडानसँ जालय देवके निर्णय सरकार करने अछि ।

निजि क्षेत्रके बजार ठप्प छै । कृषकके उत्पादन कएल खाद्यान्नके बजार पाबएके सम्भावना नहि छै । कृषि पेशेमे निर्भर किसान कि करतै ?

एहि विषयके मध्यनजर करैत सरकार आधारभुत खाद्य पदार्थ जेना गहुँम, धान, मकै, फापर, मरुवा, सिमी, दाईल आदी सामान कृषक तथा उत्पादकसभसँ किनक विक्रि वितरण करके व्यवस्था खाद्य व्यवस्था तथा व्यापार कम्पनी आ साल्ट ट्रेडिÉ कर्पोरेशन लिमिटेड मार्फत करत ।

कोरोना संक्रमित मायसँ बच्चाके स्तनपान कराब मिलत कि नैमिलत ? एहिसँ बच्चामे सजिले सरत कहैत अछि ।

स्तनपान करावएवला मायसँ बच्चामे कोरोना भाईरस सरवला बातमे कोनो सत्यता नहि छै । सावधानी अपनाक बच्चाके स्तनपान कराएल जासकैत अछि । संक्रमित मायके बच्चाके सम्पर्कमे आबएसँ पहिले साबुन पाईनसँ हाथ रगैइ रगैइक धोनाई आ र मास्क लगेनाई जरुरी छैक ।

सूचनाका स्रोतहरु

नेपाल सरकार स्वास्थ्य तथा जनसंख्या मन्त्रालय कोरोना भाईरस रोग (COVID – 19) सम्बन्धी स्वास्थ्य क्षेत्रको प्रतिकाय

जोन्स् होपकिन्स् कोरोना भाइरस स्रोत केन्द्र

स्वास्थ्य र जनसंख्या मन्त्रालय

कोरोना कोष सञ्चालन निर्देशिका, २०७६

कोभिड(१९ को अवस्थाअ

कृषि तथा पशुपंछी विकास मन्त्रालय

नेपाल श्रम शक्ति सर्वेक्षण

सुरक्षित हुन के गर्ने

प्रधानमन्त्री तथा मन्त्रीपरिषदको कार्यालय

accountabilitylab NEPAL

मुख्य गन्तव्य राष्ट्रमे रहल नेपाली कामदार

साउदी अरब
३,५२,६६७ नेपाली
२१,४०२ संक्रमित
४ नेपाली संक्रमित

कुवेत
८२,६३० नेपाली
३,७४० संक्रमित
२१ नेपाली संक्रमित

बहराईन
२८,२७६ नेपाली
२,९२१ संक्रमित
४९ नेपाली संक्रमित

कतार
४,३७,००९ नेपाली
१२,५६४ संक्रमित
२ नेपाली संक्रमित

युएई
२३,११,०८८ नेपाली
११,९२९ संक्रमित
७१ नेपाली संक्रमित

ओमान
८,२५० नेपाली
२,३४८ संक्रमित

मलेसिया
४,६९,१३१ नेपाली
५,९५४ संक्रमित
३ नेपाली संक्रमित

दक्षिण कोरिया
५३,६२१ नेपाली
१०,७६५ संक्रमित

ShramikSanjal

खाडी मुलुकसँ महत्वपूर्ण जानकारीसभ

१. बहराईन: बहराईनमे रहल नेपालीसभके स्थिती पता लगाबए लेल ओत स्थित नेपाली दुतावासके कामदारके अप्पन विवरण भर आग्रह कएने अछि । खेनाई, रहनाई आ नोकरीके अवस्था केहन छै ? नेपाल जाय चाहैत अछि कि नहि ? तत्काले छैक त किया ? जेहन विवरणसभ खुलाबए परत । फारम भरके लेल दुतावासके अधिकारीक वेबसाईट https://bh.nepalembassy.gov.np/ मे जालक भर सकैत छी ।

२. कतार: नेपाली दुतावासमे किछु कम्पनीसभके कामदारके अपन बासस्थान छोइए लेल दबाव देने शिकायत आबि रहल अछि । एहिके लेल कतारके प्रशासनिक विकास, श्रम तथा सामाजिक मामिला मन्त्रा(लयके हटलाइन नम्बर ४०२८०६६० मे सम्पर्क कएसकैत छी । एहिसँ पहिले कामदार आ रोजगारदाता दुनुके हितके लक्षित करैत कतारके प्रशासनिक विकास, श्रम तथा सामाजिक मामिला मन्त्रालय १५ अप्रिल २०२० मे कामदारसभके खेनाई, रहके सुबिधा कटौती नहि कर पाऔत से जनौने छलै । कतारमे करिव ३ लाख ५१ हजार नेपालीसभ कार्यरत रहल अछि ।

कतार आ यू.ए.ई.सँ नेपालके मेडिकल सामान सहयोग

कतार: तीन तहवला मास्क ५ लाख थान, मेडिकल मास्क ५५ हजार थान, सर्जिकल मास्क ५५ हजार थान, फेससिल्ड १५ हजार थान, ग्लोब्स ५० हजार थान, सर्जिकल गाउन ३० हजार थान, गगल्स ३० हजार थान लगाएत कए जम्मा ७ लाख ४२ हजार थान ।

यू.ए.ई.: जम्मा ६,८७१ किलो स्वास्थ्य सामान (कोन सामान कते अछि से जानक(ारीमे नहि आयल अछि)

accountabilitylab NEPAL

मे डे - अन्तरराष्ट्रिय मजदुर दिवस

किछु तथ्यसभ

- अन्तराष्ट्रिय श्रम संगठनके अनुसार संसारभैर कम्तिमे ५३ लाखसँ २ करोड ४७ लाख कामदार बेरोजगार होएत
- विश्व बैक (२०१९) अनुसार नेपालमे जम्मा कामदारके संख्या १,६७,११,७८२ अछि ।
- देश बाहर करिब ५५ लाख नेपालीके रोजगारी जोखिममे छै। (करिब ३५ लाख नेपाली वैदेशिक रोजगारीमे आ अनुमानित २० लाख नेपाली भारतमे काज करएवला)
- कुल ग्राहस्थ उत्पादनके करिब ३० प्रतिशत बिप्रेषणके योगदान अछि।
- नेपाल भितर पर्यटन क्षेत्रमे मात्रे काज करएवला करिब १० लाख नेपाली रोजगारी गुमाओत।

तत्काल कि कल सकैत छी ?

• दैनिक बैन मजदूरीमे काज कएनिहार मजदुरके कोरोना भाईरससँ बेसि भुखमरीके डर अछि। ओकरसभके खानपान आ बसोबासके व्यवस्था भेनाई जरुरी अछि।

• मजदुरके स्वास्थ्य सुरक्षामे ध्यान देनाई जरुरी अछि : विशेष कएक गन्दगी आ रोगके संक्रमण होबएवला क्षेत्रमे काज करएवला मजदुरके सुरक्षा उपकरण, मास्क आ आओर सुरक्षा उपकरण उपलब्ध करावए परत्

- औपचारिक क्षेत्रमे काज कएरहल कामदारके अखनके अवस्थामे सेवा सुविधा सरकारद्वारा कएल निर्णय अनुसार भेल सुनिश्चित करब ।
- तत्काल नेपाल सरकार देशभैरके मजदुर आ ओकरसभके अवस्थाके तथ्यांक संकलन कएनाई, जाहिसँ राहत वितरणमे ठोस निर्णय कर सहज हेतै ।
- बर्षातके मौषम शुरु भेलाके संगे कोरोना भाईरसके साथे बाईढ आ भूस्खलनके जोखिम सेहो बढवाक सम्भावना भेलासँ संघ, प्रदेश आ स्थानीय सरकार पूर्व तयारीमे जुट परत ।
- वैदेशिक रोजगारीमे रहल कामदार नेपाल आब चाहिरहल अछि। सरकारद्वारा उपयुक्त वातावरण बनाबए परत ।
- भविष्यमे आबएवला बेरोजगारीके मध्येनजर करैत दीर्घकालिन योजना बनेनाई ।

$ फलो द मनी

संघिय सरकार

तीन वेर कएक नेपाल सरकार
अर्थ मन्त्रालय मार्फत छुट्याओल

करिब १ अर्ब ४८ करोड

कोरोना भाईरस जोखिम नियन्त्रण,
रोकथाम तथा नियन्त्रण कोषमे जम्मा

करिब २ अर्ब १६ करोड

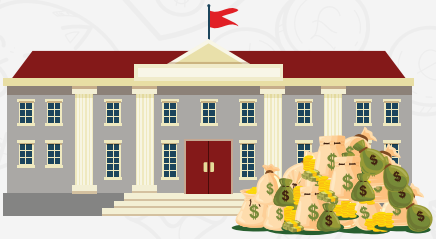

जम्मा

खर्च

कोरोना भाईरस विरुद्धके गतिविधिमे
नेपाल सरकार कएने खर्च

करिब १ अर्ब ५० करोड

प्रदेश	जम्मा रकम	खर्च गरिएको रकम	बाँकी रकम
प्रदेश १	करिब २८ करोड ८२ लाख	करिब १२ करोड ६ लाख	करिब १६ करोड ७६ लाख
प्रदेश २	६१ करोड	१७ करोड ७० लाख	४३ करोड ३० लाख
बागमती प्रदेश	४० करोड	१२ करोड ३२ लाख	१७ करोड ७५ लाख
गण्डकी प्रदेश	करिब १५ करोड	९ करोड २० लाख	५ करोड ८० लाख
प्रदेश ५	२३ करोड ६० लाख	१३ करोड ६० लाख	१० करोड
कर्णाली प्रदेश	५० करोड	१३ करोड २० लाख	३६ करोड ८० लाख
सुदुरपश्चिम प्रदेश	करिब ४० करोड २७ लाख	२० करोड १९ लाख	२० करोड ८ लाख

नोट: ई विवरण पूर्ण नहि अछि। उपलब्ध माध्यमसँ संकलित कए राखल गेल अछि ।
आओर सही तथ्यांक संकलन कए परिमार्जन करैत जाएब ।

कोभिड संकटके समयमे लैङगिकतापर आधारित हिंसाके व्यवस्थापन

अखन कोभिड संकटके समयमे लैङगिकतापर आधारित हिंसाके मुद्दासभ देखमे आईबरहल अछि । महिला पुनर्स्थापना केन्द्र (WOREC) के अनुसार, पिछला महिनामे मात्र १२८ टा बलात्कारके घटना बाहर आएल अछि । एकर व्यवस्थापनके लेल एत् किछ सुझावसभ उल्लेख करए चाहैत छी:

१. मुद्दाके परिभाषा:

लैङगिकतामा आधारित हिंसा एककोई घरवलासँ पिटेनाई मात्र नहि छै से बुझनाई जरुरी अछि । लेकिन, आत्मिय संगिसँ होबएवला हिंसा, वैवाहिक बलात्कार, बहुतो तरहके जनानी विरुद्ध होबएवला हिंसासभ, लिङ्घक्षत आ अपांगता भेल आदमीसभ विरुद्धके भेदभाव, एसिड आक्रमण, महिनावारीके समयमे होबएवला भेदभाव, जवरजस्ती विवाह आदी सभ तरहके हिंसाके घटनासभ कोभिड-१९ जेहन संकटके बेरमे बढिरहल देखाईत अछि ।

३. सहयोगी सेवा:

सरकार आ विभिन्न संघसंस्थासभके नि:शुल्क कानूनी, मनोसामाजिक, आर्थिक सहयोग आ प्राविधिक सेवासभ उपलब्ध करारहल अछि नीचका तहतक सूचना पुगाबके लेल रेडियो तथा टेलिभिजन कार्यक्रम, सामाजिक सञ्जाल, एप्स, वेबिनार आ पुस म्यासेज जेहन प्रविधिके प्रयोग करए परैत अछि ।

५. राहत सहयोग:

गर्भवती तथा प्रसौती भेल जनानीके विशेष प्याकेज सहित सब स्त्री आ धियापुताके न्युनतम राहत प्याकेज उपलब्ध कराबए परैत अछि । एहन राहत प्याकेजमे, पौष्टिक आहारयुक्त खाना, स्वस्थ्यवर्धक खाना, डिगनिटी किट, परिवार नियोजनके अस्थायी साधन, महिनावारीके समयमे जरुरत परवला स्वास्थ्य सम्बन्धी सामान आदी होबए परैत अछि । त

२. मुद्दा दर्ता आ व्यवस्थापन्:

जनानी हिंसा सम्बन्धी मुद्दा दर्ता आ व्यवस्थापनके प्रोत्साहित करएलेल महिला सेल, प्रहरी, अदालत आ अस्पतालसभ लकडाउनके समयमे सेहो निरन्तर सकृय रहपरैत छै । एहन समयमे हिंसा पीडितके जरुरत परलापर आश्रय देबला सुरक्षा गृह (सेल्टर होमहरु) तयार रह परैत छै ।

४. स्थानीयके परिचालन:

एहि लकडाउनके समयमे, स्थानीय स्त्री समुहसभ, माय समुहसभ, सहकारीसभ, स्त्री हकहितमे काज कएनिहार संघसंस्थासभके जनानी हिंसा सम्बन्धी मुद्दा पहिचान आ व्यवस्थापन करए ओकरासभसंगे भेल स्रोत आ सञ्जाल परिचालन करए परैत अछि ।

- मेधा शर्मा, महिला अधिकार अभियान्ता

यदि लैङगिक आ प्रजनन् स्वास्थ्य सम्बन्धी सेवा देबए अस्विकार कएलापर सम्पर्क :

भिजिबल ईम्प्यक्ट:	facebook.com/RightOverMyBodyWhoDecides
प्रजनन् स्वास्थ्य आ अधिकारके क्षेत्रमे कार्यरत समुह	९८४१४५०८४६, ९८५१०६९९८०
जान जोखिममे रहल जनानीके लेल हवाई सेवाके लेल सम्पर्क राष्ट्रपति महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम (३४ टा पहाडी तथा हिमाली जिल्लासभमे) :	९८५१२५५२५४

यदि आहाँ, आहाँके परिवारके सदस्य या आहाँके समुदायमे केकरो लैङ्गिक हिंसाके सामना कएरहल अछि तँ निचा देलगेल निकाय तथा संस्थामे सम्पर्क करु:

महिला, बालबालिका तथा जेष्ठ नागरिक निर्देशनालय	०१ ४४१०७८५
राष्ट्रिय महिला आयोगके खबर करु हटलाईन नम्बर	११४५
महिला विरुद्धके हिंसा उन्मुलन विभाग, महिला बालबालिका तथा जेष्ठ नागरिक मन्त्रालय	९८४१६०७६६४
आशा संकट केन्द	९८०११९३०८८
नेपाल प्रहरीके आकस्मिक नम्बर	१००

कानूनी सहायताके लेल सम्पक

FWLD : ९८४१४५०८४६, ९८५१०६९९८०

मनोसामाजिक सहयोगके लेल सम्पर्क

TPO टोल फ्रि नम्बर : १६०० ०१ ० २००५

सही सूचना

कि नेपालमे कोरोना भाईरसके कमे मात्रे असर परल अछि ? या संक्रमितसभ देर कल पता लागिरहल अछि ?

नेपालमे कोभिड-१९ संक्रमितके निक होबएमे लागबला समय आ चलफिरके औषत

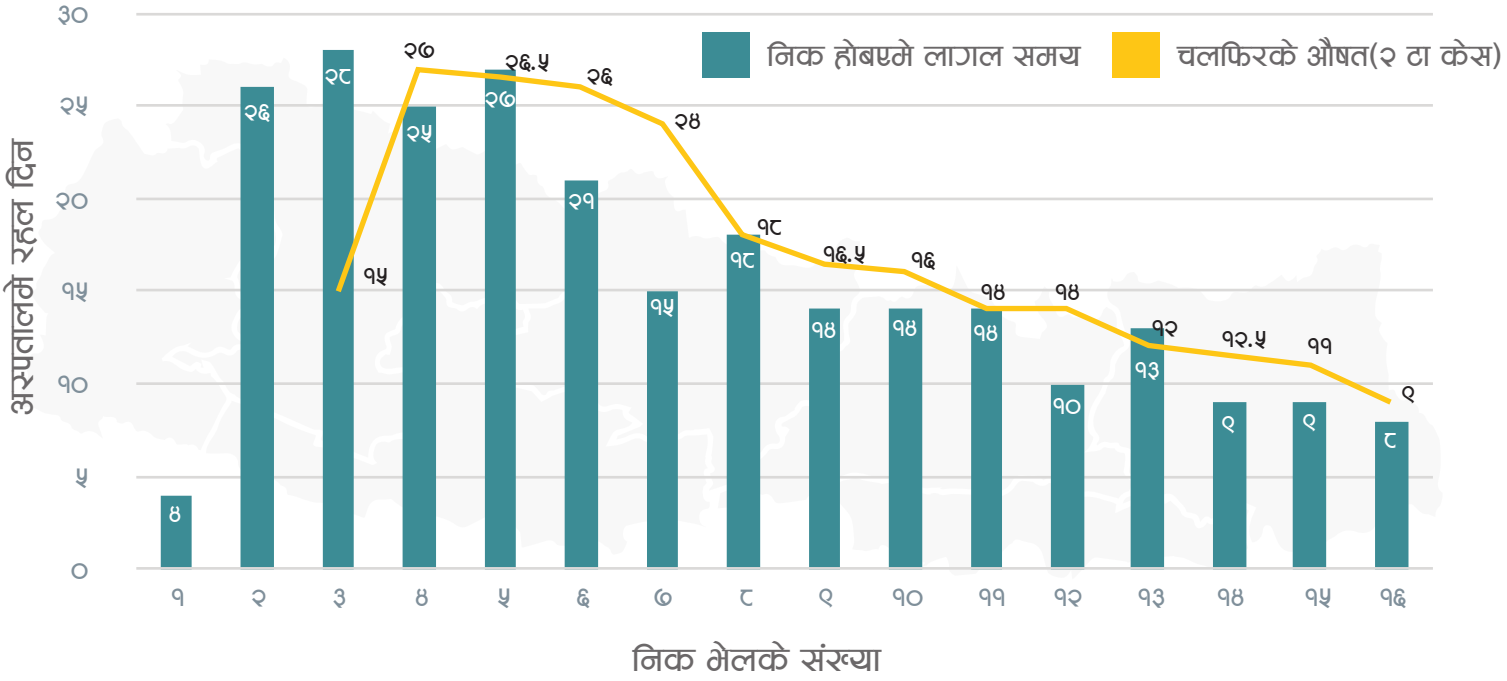

कोरोना भाईरस संक्रमणके अन्तरराष्ट्रिय अनुभवके देखवै तँ, संक्रमण होबएमे दू सँ आठ सप्ताह तक लागल देखलगेल अछि । लेकिन, उपरके ग्राफके संक्रमित निक होबएमे लागल समय छोट आ चलफिर औषतमे निक होबएमे लागवला समय लगभग एक सप्ताह नीचा झरल देखाईत अछि । एकर महत्वपूर्ण दुटा कारण होबए सकैत अछि; १) संक्रमितसभके अबेर कलक पहिचान भेनाई आ; २) संक्रमणके असर कमे देखेनाई । किछ होई तैयो, सरकारके परिक्षणके गतिके उल्लेख्य बृद्धि करवाक चाहि छलै, जाहिके कारणसँ अस्पतालसभके क्षमता कमे मात्रे खपत होईतै ।

एहि अंकमे समेटल गेल हल्ला, सवाल एवम् सूचनासभ, बहुतो संस्था, व्यक्ति, नेपाल सरकार स्वास्थ्य तथा जनसंख्या मन्त्रालय आ विश्व स्वास्थ्य संगठनके वेब पेज, सामाजिक सञ्जाल, आ सिभिक एक्सन टिम एहि अप्रिल महिना भितर २००० सं बेसी व्यक्तिसभसंगेके संवादसं संकलन कएलगेल छैक । विषयके महत्व, सान्दर्भिकता आ तीव्रताके ध्यान दएक हल्ला, सवाल एवम् जिज्ञासासभक चयन कएलगेल अछि । एहि अंकमे समेटल गेल जानकारी बुलेटिन प्रकाशित भेल तिथितक सत्य अछि।

Coronavirus CivActs Campaign is brought to you by **Accountability Lab Nepal**.

accountabilitylab communities

CivActs | Email: civactsnp@accountabilitylab.org | Phone: 9851203219